लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या –*254
उत्तर देने की तारीख: 13.03.2018

भिन्न रूप से सक्षम बच्चों के लिए प्रशिक्षित शिक्षक

254. श्री मनोहर उटवाल:

क्या सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों के दौरान भारतीय पुनर्वास परिषद (आर॰सी॰आई॰) के दिशानिर्देशों के अनुसार भिन्न रूप से सक्षम बच्चों को पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की आवश्यकता के संबंध में कोई आकलन/मूल्यांकन कराया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या भिन्न रूप से सक्षम/विशेष आवश्यकता वाले प्रति एक हजार बच्चों के लिए एक प्रशिक्षित शिक्षक की आवश्यकता है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है; और

(ङ) क्या भिन्न रूप से सक्षम छात्रों के लिए प्रशिक्षित शिक्षक अन्य शिक्षकों के समकक्ष हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री
(डॉ. थावरचन्द गेहलोत)

(क) से (ङ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

13.03.2018 को उत्तरार्थ भिन्न रूप से सक्षम बच्चों के लिए प्रशिक्षित शिक्षकों पर श्री मनोहर उटवाल द्वारा पूछे गए लोक सभा तांराकित प्रश्न संख्या 254 के (क) से (ङ) भागों के उत्तर से संबंधित विवरण

(क): इस मंत्रालय ने पिछले तीन वर्षों के दौरान कोई ऐसा आकलन/मूल्यांकन नहीं किया है।
(ख): उक्त (क) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता है।

(ग) एवं (घ): भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई) द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार, दस दिव्यांग छात्रों के लिए कम से कम एक अर्हता प्राप्त विशेष शिक्षक की आवश्यकता है। वर्तमान में भारत में आरसीआई के पास 98,188 विशेष शिक्षक पंजीकृत हैं।

इसके अलावा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एचआरडी) द्वारा संचालित "माध्यमिक स्तर पर दिव्यांगों को समावेशी शिक्षा" के अंतर्गत किसी भी स्कूल में जहां दिव्यांग बच्चों की संख्या पांच से अधिक हो, एक विशेष शिक्षक को नियुक्त होना चाहिए। एमएचआरडी की सर्व शिक्षा अभियान (एसएसए) योजना विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) को समावेशी शिक्षा प्रदान करने पर केन्द्रित है, जिसमें दिव्यांग और समान्य बच्चों को एक साथ एक ही कक्षा में पढ़ाया जाता है। एसएसए के अंतर्गत, समावेशी शिक्षा (आईई) पर सामान्य शिक्षकों को दिए गए प्रशिक्षण के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं:–

i. 2004–2005 से सेवाकालीन प्रशिक्षण के माध्यम से 34.22 लाख शिक्षक समावशी शिक्षा के लिए प्राप्त किए गए।
ii. 31.47 लाख शिक्षकों को 3–6 दिनों की कार्यशालाओं के माध्यम से समावेशी शिक्षा में विशेष प्रशिक्षण दिया गया।
iii. इसके अतिरिक्त, 2013–14 से राज्यों ने ब्रेल, संकेत, बौद्धिक/संज्ञानात्मक दिव्यांगताओं और विकास संबंधी दिव्यांगताओं पर सामान्य शिक्षकों का विशेष प्रशिक्षण संचालित किया है।
iv. 2013–14 से 30 सितंबर, 2017 तक 2,88,337 शिक्षक निम्न दृष्टि पर प्रशिक्षित किए गए हैं, 1,49,248 शिक्षक दृष्टिबाधिता बच्चों की आवश्यकता के लिए उन्मुख बनाए गए हैं, 232,870 शिक्षक संकेत के लिए उन्मुख बनाए गए हैं, 2,63,935 शिक्षक मानसिक मंदता/बौद्धिक दिव्यांगता वाले बच्चों की आवश्यकता के लिए संवेदी बनाए गए हैं, 1,87058 शिक्षक प्रमस्तिष्क घात पर प्रशिक्षित किए गए हैं और 230996 शिक्षक विद्या दिव्यांगता, 211909 शिक्षक बहु दिव्यांगता पर प्रशिक्षित किए गए हैं और 169402 शिक्षकों को स्वलीनता पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया हैं।
v. इसके अतिरिक्त, 71,073 शिक्षक सीडल्ब्यूएसएन के लिए एकीकृत कक्षा शिक्षण (आईसीटी) पर प्रशिक्षित किए गए हैं।

एसएसए में सीडल्यूएसएन के लिए प्रति ब्लॉक संसाधन केन्द्र पर दो संसांधन व्यक्तियों को लगाने का प्रावधान है। 18934 ऐसे संसाधन व्यक्ति और संसाधन शिक्षक वर्तमान में एसएसए के अंतर्गत कार्यरत हैं।

विभाग की दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना के प्रतिमानकों के अनुसार, शिक्षकों और विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के बीच अनुपात 1:8 है और गंभीर रूप से बहु दिव्यांग बच्चों के बीच यह अनुपात 1:2 है।

(ङ): राष्ट्रीय शिक्षक शिक्षा परिषद ने सामान्य शिक्षकों के बराबर क्रमशः कक्षा I से V और VI से VIII के लिए शिक्षकों की नियुक्ति हेतु विशेष शिक्षा पाठ्यक्रम में विशेष शिक्षा में डिप्लोमा और बी.एड को मान्यता प्रदान की है।

*****